

आदेश पर
बारे में लिखना

उपायुक्त का न्यायालय, दुमका

रे0मि0 अपील वाद सं0 57/2021-22

अर्जुन कुमार सिंह.....अपीलकर्ता

बनाम

मनीष सिंह.....उत्तरकारी।

आदेश

25.03.2022

यह रे0मि0 अपील वाद अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के पी0ए0 वाद सं0-65/2017-18 में पारित आदेश दिनांक-15.09.2021 के विरुद्ध में दायर किया गया है, जिसमें अपीलकर्ता के दावों को अस्वीकृत करते हुए उत्तरकारी को मौजा-गुमरो का प्रधान पद पर संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम के धारा-6 के अन्तर्गत नियुक्त किया गया है।

अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को सुना तथा अभिलेख में उपलब्ध कागजातों का अवलोकन किया।

अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता का तर्क निम्न प्रकार है :-

1. मौजा गुमरो के अंतिम प्रधान चन्द्रिका प्र0 सिंह थे जिनकी मृत्यु दिनांक-30.06.2017 को हो चुकी है।

2. अपीलकर्ता पूर्व प्रधान के भाई है। हिन्दु Law Succession Act 1956 के अनुसार भाई द्वितीय श्रेणी के उत्तराधिकारी है।

3. पूर्व प्रधान के मृत्यु के पश्चात् उनके नाती (पुत्री के पुत्र) को संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम के धारा-6 के अन्तर्गत प्रधान पद पर नियुक्त किया गया है।

4. हिन्दू Law Succession Act 1956 के अन्तर्गत पुत्री का पुत्र उत्तराधिकारी नहीं होते है, और नियमानुसार यदि प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी न हो तो द्वितीय श्रेणी के उत्तराकारी को प्राथमिकता मिलती है।

अपीलकर्ता पधान पद पद के लिए योग्य है। उन्हें 16 आना रैयतों का समर्थन प्राप्त है। इसके बाबजूद उनके आवेदन को अस्वीकृत करते हुए उत्तरकारी को मौजा प्रधान संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम के धारा-6 के अन्तर्गत नियुक्त किया गया है।

✓

अतः अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए अपील आवेदन को स्वीकृत किया जाय।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पारित आदेश में उल्लेखित तथ्य निम्न प्रकार है :-

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पारित आदेश में अंचल अधिकारी, मसलिया के पत्रांक-629/रा0 दिनांक-13.09.2021 को प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर उल्लेख किया गया है, कि मौजा-गुमरो के अंतिम प्रधान चन्द्रिका प्र० सिंह थे, जिनकी मृत्यु दिनांक-30.06.2017 को हो चुकी है। वंशावली के अनुसार कंचनलता सिंह पूर्व प्रधान के पाँच पुत्री मे से सबसे बड़ी पुत्री थी, परन्तु न्यायालय में पी०ए० वाद की कार्यवाही के दौरान ही उनके मृत्यु हो चुकी। उनकी मृत्यु के पश्चात् स्व० कंचनलता सिंह के एक मात्र पुत्र उत्तरकारी द्वारा प्रधान पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन दाखिल किया गया। शेष चार पुत्रियों के द्वारा प्रधान पद कोई दावा नहीं किया गया। पूर्व प्रधान के छः भाईयों में से तीन भाई द्वारा प्रधान पद पर नियुक्ति हेतु कोई दावा नहीं किया गया। शेष दो भाई कर्ण प्र० सिंह एवं अर्जुन प्र० सिंह (अपीलकर्ता) द्वारा प्रधान नियुक्ति हेतु दावा किया गया। उत्तरकारी पूर्व प्रधान के नाती है। 16 आना रैयतों को इनकी नियुक्ति में कोई आपत्ति नहीं है। वह मौजा-गुमरो में जन्म काल से ही अपने नाना के घर में रहते हैं एवं नाना से प्राप्त अंश भाग सम्पत्ति का भोग दखल करते हैं। उत्तरकारी पूर्व प्रधान के नाती होने के कारण सीधे तौर पर Nearest heir में आते हैं। इसी आधार पर उन्हें संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम के धारा-6 के अन्तर्गत मौजा का प्रधान पद पर नियुक्त किया गया है।

प्रावधान

Sec-6 Landlord to report the death of village headman. - When the village headman of a village which is not khas dies the landlord of the village shall report the fact within three months of its occurrence to the Deputy Commissioner with a view to the appointment of a village headman in the prescribed manner.

पुनःश्च Schedule V of the Santal Parganas Tenancy (Supplementary) Rules, 1950 provide for the rules for the appointment of headmen.

“In appointing headmen the following rules should be taken into consideration: The headman must be a resident of the village or his permanent home must be within one mile of the village.

The appointments of headmen shall be made in accordance with village customs, and before confirming any appointment, the Deputy Commissioner shall satisfy himself that the candidate is generally acceptable to the raiyats, and an opportunity shall also in every instance, be afforded to the proprietor to object to any candidate.”

पुनः यह भी उल्लेख है कि:-

“The office of headman being hereditary, the next heir, who is fitted should be headman.”

ठाकुर हेम्ब्रम बनाम बिहार राज्य 1980 BLJR 448: 1980 BLJ 212 (DB) के वाद में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा यह स्थापित किया गया है कि :-

‘authorities should have first considered the case of person claiming right to the post of pradhan on the basis of hereditary claim. It was pointed out that the procedure of election under Section 5 comes only after rejecting the hereditary claim.’

पुनः बाबुलाल हेम्ब्रम बनाम बिहार राज्य 1998 (1) PLJR 43 में स्थापित है कि :-

“the headman’s duty it is self evident that for any meaningful discharge of those duties, it would be essential for the headman to permanently and regularly reside in the village in question and it would not be possible to discharge those duties satisfactorily in case he lived outside the village on government postings and came to the village only intermittently”

इसी प्रकार से महिपाल मिश्रा बनाम झारखण्ड राज्य, 2003 2 जे0एल0जे0आर0 275, के वाद में यह निर्णय दिया गया है कि यदि ‘Head Man died then he may leave successor or he may not leave successor and if he does not leave successor then a fresh step under the Rules has to be taken for appointment of a new Head Man. But if he has left some heirs then the question of acceptability of that heir is to be determined as per the Rules. Obvious it is that this acceptability can be ascertained from the will of 2/3 of Jamabandi Raiyats. Rule 3(1) provides that first

of all a notice has to be given to 2/3 Raiyats (which ordinarily is called 16 anna raiyats) and if they do not turn up then subsequent notice has to be given and if even thereafter they do not turn up then the Deputy Commissioner will decide the matter rejecting the application made under Section 5.'

इसी प्रकार से Smt. Swarnlata Devi vrs State of Jharkhand and others, 2003 (3) J.L.J.R 724. के बाद में माननीय उच्च न्यायालय के Division Bench द्वारा स्थापित किया गया है कि :-

"Section-6 refers to the appointment of a Headman of a village which is not a khas village, by providing that on the death of Headman, the same has to be reported within three month of the death to the Deputy Commissioner with a view to appoint a village Headman in the prescribed manner. It is in this context that the clause in Schedule V are relevant and Clause 4 thereof clearly shows that the next of their of the deceased Headman, unless he is disqualified, shall be the successor Headman of the village. The procedure laid down in Rule 3 of the General Rules is seen to relate to the appointment of Headman on application under section 5 of the Act."

पुनः उक्त वाद में यह भी उल्लेखित है कि :-

"Section-5 relates to the appointment of village Headman of a *khas* village. In the case on hand, the village is not *khas* village. Therefore, the office of the Pradhan, Prima facie, is hereditary in nature and the next heir who is fit, is entitled to be the headman, But Rule 3(5) of the General Rules prescribes that in making the appointment of a Headman under section 5 or 6 of the Act, the Deputy Commissioner shall, as far as, possible, follow the rules prescribed in Schedule V except where the rules, of which clause 3 forms a part, expressly or by necessary implication, provides otherwise."

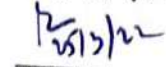
निष्कर्ष

अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता को सुनने एवं अभिलेख में उपलब्ध कागजातों के अवलोकन से स्पष्ट है कि उत्तरकारी पूर्व प्रधान के जेष्ठ पुत्री का बेटा है तथा मौजा में रहकर नाना से प्राप्त अंश भाग सम्पत्ति का भोग दखल कर रहा है। ऐसी स्थिति उत्तरकारी को संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा के धारा-6 के अन्तर्गत मौजा का प्रधान पद पर किया गया नियुक्ति सही प्रतीत होता है।

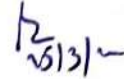
आदेश

उल्लेखित तथ्य एवं कानूनी प्रावधान के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा उत्तरकारी को संथाल परगना कास्तकारी अधिनियम के धारा -6 के अन्तर्गत प्रधान पद पर किया गया नियुक्ति को बरकरार रखते हुए अपील आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है।

लेखापित एवं संशोधित



उपायुक्त,
दुमका।



उपायुक्त,
दुमका।